www.demokraticfront.com

चंडीगढ़

Digital Edition

डेमोक्रेटिक फ्रंट

शनिवार, 11 अक्टूबर 2025 । मूल्य : 2 रुपए । पेज : 4

E-mail : sareeka2473@gmail.com RNI No.: HARHIN/11362

MEDITECH EDUCATION
CONSULTANTS & ADVISORS
For Medical and Para Medical courses from UGC approved Universities
Contact: 8194959372

एक नजर

आईपीएस पूरन कुमार आत्महत्या मामले में एसआईटी जांच सुप्रीम कोर्ट के सिटिंग जज की निगरानी में हो : दीपेन्द्र हुड्डा

डेमोक्रेटिक फ्रंट चंडीगढ़। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि हरियाणा के वरिष्ठ और होनहार ढ्ढक्क अधिकारी पूरन कुमार द्वारा आत्महत्या किये जाने की घटना बेहद दुखद है और इस घटना से प्रदेश ही नहीं पूरा देश स्तब्ध है। पूरा सिस्टम संदेह के घेरे में है। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने मांग करी कि निष्पक्ष व स्वतंत्र जांच तभी संभव है जब एसआईटी जांच सुप्रीम कोर्ट के सिटिंग जज की निगरानी में करायी जाए। ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो और जाँच में निर्धारित दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलवाई जाए। इस मामले में सरकार की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है कि लोगों का सिस्टम पर विश्वास बने और ये तभी होगा जब न्याय मिले। निष्पक्ष व स्वतंत्र जांच के बिना न्याय संभव नहीं है। आज पूरा देश, खासकर दलित वर्ग सरकार की तरफ देख रहा है कि न्याय हो और उसमें ये सुनिश्चित किया जाए कि न्याय होता हुआ दिखे साथ ही कोई उस जांच को प्रभावित न कर पाए। उन्होंने कहा कि पूरन कुमार जी के सुसाईड नोट के आधार पर उनकी पत्नी जो स्वयं वरिष्ठ ढ्ढस्न अधिकारी हैं द्वारा दायर स्नढ्ढक्र में कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का नाम लिखवाया जाना व उत्पीड़न, जातिगत भेदभाव और प्रताड़ना के आरोप पूरे सिस्टम पर गंभीर सवाल खड़े करता है। पुलिस परिवार के वरिष्ठतम अधिकारी, कानून-व्यवस्था के मुख्य-संरक्षकों पर ऐसे आरोप लगना अत्यंत गंभीर और बेहद चिंताजनक है। अब निष्पक्ष जाँच से ही न्याय संभव है। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश का अपमान और वरिष्ठ आईपीएस पूरन जी द्वारा आत्महत्या की घटनाएँ बताती हैं कि समाज के वंचित वर्ग के ख़िलाफ़ अन्याय चरम सीमा को भी पार कर गया है।

आईपीएस वाई पूरन कुमार आत्महत्या मामला

सरकार को जवाब देना होगा, बार-बार चेतावनी के बावजूद बात क्यो नहीं सुनी गई: सैलजा

चंडीगढ़. अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री व सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि प्रदेश की भाजपा सरकार को आईपीएस वाई पूरन कुमार आत्महत्या मामले में जवाब देना होगा आखिर ऐसा क्यों हुआ, क्यों बार-बार चेतावनी देने के बावजूद किसी ने उनकी बात नहीं सुनी? यह सरकार खुद कटघरे में खड़ी है और इसे देश के सामने जवाब देना ही होगा। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि यह कोई एक दिन की बात नहीं है जिन अफसर के नाम इस पत्र में लिए गए हैं, यह वही बातें हैं जो वह पहले भी बार-बार उठाते रहे, लेकिन अफसोस की बात है कि न सरकार ने, न पूरे सिस्टम ने उनकी पीड़ा पर ध्यान दिया। उल्टा, उन्हें ही बार-बार प्रताड़ित किया गया, उनके खिलाफ कार्रवाई होती रही। आप सोचिए, एक सीनियर अफसर, जिसने पूरी ईमानदारी से अपनी सेवा दी, उसे इस हद तक मानसिक रूप से तोड़ दिया गया कि उसे लगा कि अब कोई रास्ता नहीं बचा। यह केवल एक व्यक्ति की त्रासदी नहीं है यह पूरे तंत्र की संवेदनहीनता का उदाहरण है। उनके परिवार पर जो बीती है, उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। उनकी पत्नी अमनीत, जो खुद एक सीनियर आईएएस अधिकारी हैं, उनके बच्चे, पूरा परिवार आज सदमे में है। सांसद ने कहा कि पीड़ित परिवार ने सुरक्षा की मांग की है, परिवार ने एफआईआर भी दर्ज कराई है। सवाल यह है कि क्या इस देश में एक सीनियर ब्यूरोक्रेट और एक आम नागरिक की आवाज का कोई मूल्य नहीं रह गया? क्या किसी अधिकारी को इंसाफ मांगने के बदले प्रताड़ना ही मिलेगी? यह बेहद शर्मनाक है कि कार्रवाई तब हुई जब परिवार ने अंतिम संस्कार से इंकार किया। भाजपा सरकार को इस पर जवाब देना होगा। आखिर ऐसा क्यों हुआ, क्यों बार-बार चेतावनी देने के बावजूद किसी ने उनकी बात नहीं सुनी? यह सरकार खुद कटघरे में खड़ी है और इसे देश के सामने जवाब देना ही होगा।

आईपीएस आत्महत्या मामला - सांसद वरुण चौधरी ने चण्डीगढ़ प्रशासक को सौंपा मांग पत्र

चण्डीगढ़। हरियाणा कॉडर के 2001 बैच के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी स्व. वाई पूरण कुमार की आत्महत्या मामले में अंबाला सांसद वरुण चौधरी ने पंजाब के राज्यपाल एवं चण्डीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया से पंजाब एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी लुधियाना में मुलाकात कर कड़ी कार्रवाई की मांग की। उनके साथ आईएएस अमनीत पी कुमार के भाई एवं पंजाब की बठिंडा ग्रामीण विधानसभा से विधायक अमित रतन भी विशेष तौर पर मौजूद रहे। वरुण चौधरी ने बताया कि परिवार ने मांग की है कि आईपीएस वाई पूरण कुमार आत्महत्या मामले में जो एफआईआर दर्ज की गई है, उसमें जो दो मुख्य आरोपी हैं, उनका कॉलम नंबर-सात में नाम लिखा जाए। प्रशासक को दिए मांग पत्र में आत्महत्या मामले की निष्पक्ष जांच के लिए न्यायिक कमेटी गठित की जाए और हाईकोर्ट के न्यायाधीश की अध्यक्षता में इस मामले की जांच कराई जाए। वहीं उन्होंने, चंडीगढ़ प्रशासक के सक्षम पीड़ित परिवार को सुरक्षा मुहैया करने की भी मांग उठाई। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ पुलिस द्वारा जो एफआईआर दर्ज की गई है, उसमें खामियां हैं। एफआईआर में मुख्य रूप से अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 की धारा प्रिवेंशन एक्ट धारा 3(2)(5) को जोड़ा जाए।

आईपीएस पूरन कुमार सुसाइड केस : जांच के लिए 6 सदस्यीय एसआईटी का गठन, आईजी पुष्पेंद्र कुमार करेंगे नेतृत्व

डेमोक्रेटिक फ्रंट, चंडीगढ़,। हरियाणा के आईपीएस अधिकारी वाई. पूरन कुमार के सुसाइड मामले में विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन किया गया है। टीम का नेतृत्व चंडीगढ़ के आईजी पुष्पेंद्र कुमार करेंगे। इनके अलावा पांच आईपीएस और सीपीएस अधिकारियों को टीम में शामिल किया गया है। एसआईटी में शामिल अन्य सदस्यों में चंडीगढ़ की एसएसपी कंवरदीप सिंह, एसपी सिटी केएम प्रियंका, डीएसपी (ट्रैफिक) चरणजीत सिंह विर्क, एसडीपीओ (साउथ) गुरजीत कौर और एसएचओ (पश्चिम) जयवीर सिंह राणा शामिल हैं। चंडीगढ़ के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) सागर प्रीत ने शुक्रवार को एसआईटी गठन के संबंध में आदेश जारी किया। आदेश में कहा गया, एफआईआर संख्या

156/2025, धारा 108/3(5) बीएनएस और 3(1)(आर) एससी/एसटी (पीओए) अधिनियम, 2013 के तहत पुलिस स्टेशन सेक्टर-11 (पश्चिम), चंडीगढ़ में आरोपों की गंभीरता और संवेदनशीलता को देखते हुए आईजीपी, चंडीगढ़ की देखरेख में मामले की त्वरित, निष्पक्ष और गहन जांच करने के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का तत्काल प्रभाव से गठन किया जाता है। आदेश के अनुसार, एसआईटी मामले में सभी पहलुओं की समयबद्ध तरीके से जांच करेगी, जिसमें साक्ष्य जुटाना, गवाहों से पूछताछ, विशेषज्ञों की राय और कानूनी सलाह जैसे विषय शामिल हैं। जांच पूरी होने पर एसआईटी अंतिम रिपोर्ट तैयार करेगी। आदेश में यह भी बताया गया है कि एसआईटी जरूरत के अनुसार अन्य अधिकारियों और विशेषज्ञों को भी शामिल कर सकती है।

2001 बैच के आईपीएस अधिकारी, पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) वाई पूरन कुमार चंडीगढ़ स्थित अपने आवास पर मृत पाए गए थे। चंडीगढ़ पुलिस के अनुसार, उन्होंने अपनी सर्विस पिस्टल से खुद को गोली मारी और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। अधिकारी ने 9 पन्नों का एक %सुसाइड नोट% छोड़ा, जिसमें 15 सेवारत और पूर्व अधिकारियों के नाम हैं। चंडीगढ़ पुलिस ने उनके सुसाइड नोट में नामजद लोगों के खिलाफ सेक्टर 11 पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की।

फिलहाल, इस मामले पर राजनीति जारी है। कांग्रेस सांसद कुमारी शैलजा ने कहा, अगर उन्हें न्याय नहीं मिला, तो आप कल्पना कर सकते हैं कि भाजपा सरकार के तहत किसे न्याय मिलेगा। एक अधिकारी, जिसने बार-बार न्याय मांगा, लेकिन उसे इनकार कर दिया गया।

शुक्रवार को आम आदमी पार्टी के सांसद मालविंदर सिंह कंग चंडीगढ़ में परिवार से मिलने पहुंचे। उन्होंने कहा, यह मौत अपने आप में कई सवाल खड़े करती है।

काबुल में दूतावास बहाल करेगा भारत, अफगानिस्तान के विदेश मंत्री से वार्ता के दौरान ऐलान

डेमोक्रेटिक फ्रंट, नई दिल्ली. भारत ने शुक्रवार को काबुल स्थित अपने तकनीकी मिशन को दूतावास का दर्जा देने की घोषणा की और अफगानिस्तान में अपने विकास कार्यों को फिर से शुरू करने का संकल्प जताया। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भारत की सुरक्षा चिंताओं के प्रति संवेदनशीलता दिखाने के लिए अफगानिस्तान में तालिबान के शासन की सराहना भी की। जयशंकर ने यह घोषणा अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी के साथ व्यापक वार्ता के दौरान की, जो छह दिन की यात्रा पर बृहस्पतिवार को नयी दिल्ली पहुंचे। अगस्त 2021 में तालिबान द्वारा सत्ता हथियाने के बाद भारत ने काबुल स्थित अपने दूतावास से अधिकारियों को वापस बुला लिया था। जून 2022 में, भारत ने एक 'तकनीकी टीम' तैनात करके अफगानिस्तान की राजधानी में अपनी राजनयिक उपस्थिति फिर से स्थापित की। बैठक में अपने उद्घाटन भाषण में जयशंकर ने सीमापार आतंकवाद को दोनों देशों के लिए साझा खतरा बताते हुए कहा कि भारत और अफगानिस्तान को आतंकवाद से निपटने के लिए समन्वित प्रयास करने होंगे।

मुत्ताकी ने भारत को आश्वासन दिया कि अफगानिस्तान किसी भी तत्व को अपनी जमीन का इस्तेमाल नयी दिल्ली के हितों के खिलाफ नहीं करने देगा। उन्होंने दाएश आतंकवादी समूह (आईएसआईएस) को इस क्षेत्र के लिए मुख्य चुनौती बताया। उन्होंने कहा कि काबुल इस संघर्ष में सबसे आगे है। जयशंकर ने बैठक में मुत्ताकी से कहा, 'आपकी यात्रा हमारे संबंधों को आगे बढ़ाने और दोनों देशों के बीच स्थायी मित्रता की पुष्टि करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। एक निकटवर्ती पड़ोसी और अफगानिस्तान के लोगों के शुभचिंतक के रूप में, भारत आपके विकास और प्रगति में गहरी रुचि रखता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 अक्टूबर को आएंगे हरियाणा दौरे पर, तैयारियों को लेकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने की बैठक

डेमोक्रेटिक फ्रंट, चंडीगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 अक्तूबर, 2025 को हरियाणा के सोनीपत दौरे पर आएंगे। अपने इस दौरे के दौरान वे प्रदेशवासियों को करो?ों रुपये की विकासात्मक परियोजनाओं की सौगात देंगे। प्रधानमंत्री का यह दौरा हरियाणा के विकास को नई गति और दिशा प्रदान करेगा तथा 'विकसित भारत - विकसित हरियाणा' के संकल्प को और सशक्त बनाएगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रधानमंत्री के आगामी कार्यक्रम को लेकर आज चंडीगढ़ में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। नायब सिंह सैनी ने निर्देश दिए कि कार्यक्रम को लेकर सभी तैयारियां समयबद्ध और समन्वित तरीके से की जाएं। उन्होंने उद्घाटन एवं शिलान्यास की जाने वाली संभावित परियोजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को कार्यक्रम की समय-सारिणी, रूट प्लान, सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन रणनीति को अंतिम रूप देने और यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि सभी बुनियादी ढाँचे, आयोजन स्थल की तैयारियाँ निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरी हो जाएँ। सभी संबंधित विभाग पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्यक्रम स्थल तक पहुंचने के लिए आमजन को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए, इसलिए आमजन के लिए भी अलग से रूट प्लान किए जाएं। पार्किंग की व्यवस्था भी कार्यक्रम स्थल के आस-पास की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री के दौरे के दौरान सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, जनसुविधाओं और अन्य व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर पेयजल, स्वच्छता व्यवस्था को भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में हरियाणा ने विकास के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। केंद्रीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, राज्य सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों और निवेश को बढ़ावा देने वाली पारदर्शी प्रशासनिक व्यवस्था के कारण हरियाणा आज देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री का यह दौरा न केवल हरियाणा के लिए गर्व का अवसर है, बल्कि यह राज्य के विकास गाथा के लिए भी अहम पड़ाव सिद्ध होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हरियाणा निरंतर प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है। केंद्र और राज्य सरकार के संयुक्त प्रयासों से प्रदेश में आधारभूत ढांचे का तीव्र विकास हुआ है, जिससे निवेश, रोजगार और नागरिक सुविधाओं में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। प्रधानमंत्री का यह दौरा हरियाणा के विकास के प्रति केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को और सशक्त बनाएगा। बैठक में मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ सुमिता मिश्रा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण कुमार गुप्ता, ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव ए.के. सिंह, हाउसिंग फॉर ऑल विभाग के आयुक्त एवं सचिव मोहम्मद शाइन, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ साकेत कुमार, सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग के महानिदेशक के. मकरंद पांडुरंग, विशेष सचिव कार्मिक, प्रशिक्षण विभाग डॉ आदित्य दहिया और उप प्रधान सचिव यशपाल भी थे।

चिराग ने शाह से की बात, कहा- पूरण कुमार 'आत्महत्या के जिम्मेदार लोगों को बख्शा नहीं जाना चाहिए

डेमोक्रेटिक फ्रंट, नई दिल्ली. केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सहयोगी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने शुक्रवार को आईपीएस अधिकारी वाई पूरण कुमार की मौत की समयबद्ध और निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि किसी को भी, चाहे उसका पद या प्रभाव कुछ भी हो, बख्शा नहीं जाना चाहिए। चिराग पासवान ने इस मुद्दे पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बात की। पासवान ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को लिखे पत्र में कहा कि अनुसूचित जाति से ताल्लुक रखने वाले भारतीय पुलिस सेवा के वरिष्ठ अधिकारी पूरण कुमार की कथित आत्महत्या प्रशासनिक व्यवस्था में जातिगत उत्पीड़न की निरंतर मौजूदगी का संकेत है। यह व्यवस्था में जहर की तरह फैला हुआ है। दलित नेता ने सैनी से भी बात की और मृत अधिकारी की पत्नी को फोन कर संवेदना व्यक्त की। लोजपा (रामविलास) के अध्यक्ष ने कहा कि अगर किसी अधिकारी को उसकी जाति, विचारधारा और ईमानदारी के कारण मानसिक उत्पीड़न सहना पड़ता है तो यह न केवल निंदनीय है बल्कि संविधान की आत्मा पर भी आघात है। चंडीगढ़ पुलिस ने शुक्रवार को हरियाणा पुलिस अधिकारी की कथित आत्महत्या की ''शीघ्र, निष्पक्ष और गहन जांच%% के लिए छह सदस्यीय विशेष जांच दल का गठन किया।

78वें वार्षिक निरंकारी संत समागम की तैयारियाँ व्यापक स्तर पर

चंडीगढ़/पंचकुला/मोहाली. संत निरंकारी मिशन का 78वां वार्षिक संत समागम, पूर्ववर्ती वर्षों की दिव्यता और गरिमा के अनुरूप, इस वर्ष भी 31 अक्टूबर से 3 नवम्बर, 2025 तक समालखा (हरियाणा) स्थित संत निरंकारी आध्यात्मिक स्थल पर अत्यंत भव्यता, श्रद्धा और आध्यात्मिक उल्लास के साथ आयोजित होने जा रहा है। यह दिव्य आयोजन सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी के पावन सान्निध्य में संपन्न होगा, जिसकी शुभ सूचना ने समस्त श्रद्धालु भक्तों के हृदयों में अपार हर्ष और आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार कर दिया है। यह जानकारी चंडीगढ़ जोन के जोनल इंचार्ज श्री ओ पी निरंकारी जी ने दी और उन्होने बताया की इस समागम में सेवा के लिए ट्राईसिटी से सेकड़ों सेवादल के सदस्य गए हुए है। 'आत्ममंथन' विषय पर आधारित इस वर्ष का वार्षिक संत समागम अपने आप में एक अद्भुत एवं अनुपम आध्यात्मिक यात्रा है, जहां श्रद्धालु ब्रह्मज्ञान की आंतरिक ज्योति में सेवा, सिमरन और सत्संग करते हुए आनंद और प्रेमाभक्ति का अनुभव प्राप्त करेंगे। इस दिव्य उत्सव की तैयारियां अत्यंत श्रद्धा, लगन एवं नि:स्वार्थ भावना से की जा रही हैं। श्रद्धालु भक्त, चाहे वे वृद्ध हों या युवा, पुरुष हों या महिलाएं, हर पृष्ठभूमि के भक्त सेवा में पूर्ण रूप से रत हैं। प्रात: काल की प्रथम किरण से लेकर संध्या के अंतिम प्रकाश तक, हर ओर भक्ति भाव से समर्पित सेवा का अपूर्व आलोक दिखाई देता है। कोई मिट्टी के तसले ढो रहा है, कोई शामियाने गा? रहा है, तो कोई सफाई, जल प्रबंधन या भोजन व्यवस्था में जुटा है। 78वें वार्षिक संत समागम की भव्यता को प्रकट करता हुआ मुख्य गेट भी आकार लेने लगा है - एक ऐसा प्रवेश-द्वार, जो प्रेम, समरसता और आत्मिक एकत्व की यात्रा का प्रतीक बनेगा।' यह सब कुछ समर्पण की उस भावना का प्रमाण है, जो सतगुरु के ज्ञान से उत्पन्न होती है। जिस प्रकार कहा भी गया है कि 'जहाँ सेवा में समर्पण जुड़ जाता है, वहीं हर क्षण उत्सव बन जाता है।' सेवा भाव की गरिमा को देखकर यह स्पष्ट हो जाता है कि इन सेवकों के मुखमंडलों पर कोई थकान नहीं, अपितु आनंद और उल्लास की आभा झलक रही है। यह वही दिव्य आनंद है, जिसे केवल सतगुरु की छत्रछाया में रहकर, सेवा और भक्ति के माध्यम से अनुभव किया जा सकता है। सतगुरु माता जी भी अपने प्रवचनों में बारंबार यही प्रेरणा देती हैं कि 'तन पवित्र सेवा किये, धन पवित्र दिये दान, मन पवित्र हरि भजन सों, त्रिबिध होई कल्याण।'

देश के कोने-कोने से ही नहीं, अपितु विदेशों से भी लाखों श्रद्धालु भक्त इस संत समागम में सम्मिलित होने के लिए पधारते हैं। उनके स्वागत एवं सुविधाओं हेतु सभी आवश्यक प्रबंध अत्यंत सुचारू रूप से किए जा रहे हैं।

एमएसएमई क्षेत्र देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और सरकार इसके विस्तार के लिए अनेक योजनाएं चला रही है : विशाल सभरवाल

चण्डीगढ। चण्डीगढ़ फर्नीचर एसोसिएशन ने उद्योग विभाग चण्डीगढ़ प्रशासन के सहयोग से एमएसएमई अवेयरनेस सेशन का आयोजन किया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में विशाल सभरवाल, अधीक्षक, उद्योग विभाग, चण्डीगढ़ प्रशासन उपस्थित हुए। एसोसिएशन के पैटर्न और संस्थापक तुलसीराम सिंगला, प्रधान योगराज बंसल, चेयरमैन नरेश कुमार, वाइस प्रेसिडेंट सतीश गोयल, सुनील बंसल, महासचिव सचिन जैन, कैशियर संदीप जैन, सेक्रेटरी निशांत गोयल, राहुल गुप्ता राजीव गुप्ता और प्रवक्ता भारत शाह एवं अन्य पदाधिकारियों रमेश गर्ग, सुरेश गोयल, गुलाब जैन, सुभाष अग्रवाल, चरणजीत सिंह, राजेंद्र जैन, अनिल जैन, वंश गोयल, अरुण मैसी व प्रकाश सिंगला आदि ने उनका स्वागत किया।

विशाल सभरवाल ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के विकास में सरकार की योजनाओं और नीतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि एमएसएमई क्षेत्र देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और सरकार इसके विस्तार के लिए अनेक योजनाएं चला रही है।

ऑनलाइन विवाद समाधान पर उद्योग विभाग की लीगल कंसल्टेंट जसपिंदर कौर ने विस्तृत जानकारी दी। संस्था के एमएसएमई फेसीलिटेशन हेल्पडेस्क द्वारा पीएमईजीपी योजना पर सत्र के तहत आरएएमपी (रेजिंग एन्ड एक्सेलरेटिंग एमएसएमई परफॉरमेंस) प्रोग्राम आयोजित किया गया, जिसमें एमएसएमई हेतु लाभार्थी योजनाओं के विभिन्न पहलुओं और पात्रता मानदंडों की जानकारी दी गई।

ईएसआईसी के रीजनल डायरेक्टर पंकज वोहरा ने ईएसआई योजना बारे में उपस्थित उद्यमियों को अवगत कराया। उनके साथ राजीव छाबड़ा, स्टेट मेडिकल ऑफिसर एवं संदीप श्रीवास्तव, सोशल सिक्योरिटी ऑफिसर ने एसपीआरईई योजना की जानकारी साझा की, जो कर्मचारियों के हितों की सुरक्षा हेतु एक विशेष पहल है। पंजाब नेशनल बैंक की ओर से सिद्धार्थ मित्तल, एजीएम, ने एमएसएमई वित्तीय सहायता योजनाओं पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में एसोसिएशन के 130 से अधिक एमएसएमई उद्यमियों और संस्था की कार्यकारिणी सदस्यों ने भाग लिया।

एक नजर

महात्मा ज्योतिबा फुले इंटरनेशनल स्किल सेंटर के छात्रों ने किया राज्य स्तरीय कानून प्रदर्शनी का भ्रमण

बाबैन. महात्मा ज्योतिबा फुले इंटरनेशनल स्किल सेंटर, लाडवा के विद्यार्थियों ने आज कुरुक्षेत्र के मेला ग्राउंड में आयोजित 3 नये कानूनों की राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का शैक्षणिक भ्रमण किया। यह भ्रमण विद्यार्थियों में विधिक जागरूकता और सामाजिक समझ बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। संस्थान से राज्य स्तरीय कानून प्रदर्शनी के लिए छात्रों को रवाना करते हुए कृष्मन सिंह सैनी ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले इंटरनेशनल स्किल सेंटर, सांसद नवीन जिन्दल की पहल पर स्थापित एक अग्रणी प्रशिक्षण केंद्र है, जिसका उद्देश्य युवाओं को आधुनिक कौशलों के साथ सामाजिक जिम्मेदारी का भी बोध कराना है। सांसद जिन्दल का मानना है कि युवाओं को केवल तकनीकी या व्यावसायिक शिक्षा ही नहीं, बल्कि समाज, शासन और कानून व्यवस्था की भी गहरी समझ होनी चाहिए, ताकि वे एक जागरूक नागरिक बन सकें। उन्होंने बताया कि मेला ग्राउंड में लगी यह कानून प्रदर्शनी 3 नये आपराधिक कानूनों से संबंधित अनेक महत्वपूर्ण जानकारियों को रोचक ढंग से प्रस्तुत करती है। इस प्रदर्शनी में घटना स्थल, कंट्रोल रूम, आनलाइन रिपोर्ट , पोस्टमार्टम और अदालत में होने वाली प्रक्रिया को छात्रों ने नाटकीय रूप में समझा। कानून प्रदर्शनी के भ्रमण के अंत में छात्रों ने इसे एक प्रेरणादायी और ज्ञानवर्धक अनुभव बताया और इस भ्रमण के लिए सांसद नवीन जिन्दल व संस्थान प्रबंधन का आभार व्यक्त किया।

हम सभी आदिशक्ति की संतान : प्रो गणेशी लाल

सिरसा। हारे का सहारा चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से आज शाह सतनाम चौक के नज़दीक स्थित सरकारी स्कूल में भोग सरामणि व भात सरामणि पहल के तहत भोजन वितरण कार्यक्रम किया गया। इस मौके पर ओडिशा के पूर्व राज्यपाल प्रो. गणेशी लाल ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की, जबकि ट्रस्ट के प्रधान मनीष सिंगला व उनके पुत्र लक्ष्य सिंगल विशेष रूप से उपस्थित थे। सिंगला परिवार का यहाँ पहुँचने पर स्कूल प्रशासन ने उनका भव्य स्वागत किया। ट्रस्ट की से बच्चों को भोग लगाया गया। इस अवसर पर प्रो गणेशी लाल ने कहा कि हम सभी आदिशक्ति की संतान हैं। बच्चों में आत्मविश्वास और सकारात्मकता का संचार करने का प्रयास पर ज़ोर देते हुए प्रो गणेशी लाल ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति में दैवीय शक्ति का अंश है और इस सच्चाई को समझकर बच्चों को अपने जीवन में नैतिक मूल्यों और अच्छे कर्मों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने बच्चों को शिक्षा और संस्कारों के महत्व के बारे में भी बताया। बच्चों को अपने भविष्य को उज्जवल बनाने के लिए अपनी पढ़ाई पर पूरा ध्यान देना चाहिए और हमेशा अपने बड़ों का आदर करना चाहिए। उनका यह संदेश बच्चों को अपनी संस्कृति और आध्यात्मिक विरासत से जोड़ेगा, जिससे वे एक जिम्मेदार नागरिक बन सकें। मनीष सिंगला ने बच्चों को संबोधित करते हुए माँ के अतुलनीय स्थान पर प्रकाश डाला। उन्होंने दृढ़ता से कहा कि इस सृष्टि में माँ से बढ़कर कोई हस्ती नहीं है, और उनकी निस्वार्थ तपस्या से बड़ी कोई आराधना या साधना हो ही नहीं सकती। माँ ही हमारी प्राणरक्षक हैं और हमारी परम सुरक्षा कवच भी हैं। सिंगला ने भावुक होते हुए व्यक्त किया कि माँ की गोद साक्षात् स्वर्ग का सिंहासन है। स्वर्ग और नरक की अटकलें व्यर्थ हैं—सत्य और सार तो इसी जीवन में, इसी पल में समाहित है। बच्चों को जीवन में उत्कर्ष (सफलता) प्राप्त करने का अचूक मंत्र देते हुए, उन्होंने तीन मुख्य मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया। अभिमान (अहंकार) का पूर्णत: विसर्जन करें, विनम्रता (मौन) को अपने स्वभाव का आधार बनाएँ, पूर्ण समर्पण और निष्ठा से एक पुष्प अपनी जननी माँ के चरणों में समर्पित करें। मनीष सिंगला ने स्पष्ट किया कि यही माँ के चरणों की सेवा ही वास्तविक पूजा और हमारा सर्वोच्च धर्म है। माँ की पूजा का यह ख़ास संदेश लेकर सिंगला परिवार की तीनों पीढ़ियाँ आपके बीच नतमस्तक हैं । बच्चों में भोजन वितरण किया गया। मनीष सिंगला ने माँ को समर्पित भजन भी प्रस्तुत किया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देने वाले बेटियों की सम्मानित भी किया गया। इस मौके पर निजी सचिव हरपिंदर शर्मा, योगेश बिज़ारनिया, प्रिंसिपल परमजीत कौर, अनिल भाटिया, महावीर शरण, शिल्पी गुप्ता, निशा रानी, नीलम सेठी, मोनिका सचदेवा, ममता सिंह, राधे श्याम, नीतू कटारिया, अग्रवाल सभा प्रधान जेपी गुप्ता, पार्षद दीपक बंसल व मनीष, पूर्व पार्षद कौशल्या वर्मा, जसविंदर पिंकी, लखविंदर, बॉबी लूथरा, दर्शाना कुमारी इत्यादि मौजूद थे।

गांव मोडिया खेड़ा स्कूल में डीईओ ने किया नवनिर्मित दो कमरों का उद्घाटन

सिरसा। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मोडिया खेड़ा में हरियाणा शिक्षा विभाग की स्कीम समग्र शिक्षा के तहत दो कमरों फिजिक्स तथा बायो लैब का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में जिला शिक्षा अधिकारी सुनीता साईं द्वारा किया गया। इस मौके पर उन्होंने कहा हरियाणा सरकार द्वारा समग्र शिक्षा के तहत विद्यालयों में पढ़ रहे विद्यार्थियों के लिए मूलभूत सुविधाओं प्रदान की जा रही हैं। उसी कड़ी के तहत इन दो कमरों निर्माण कार्य पूरा हुआ। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के तौर पर उप जिला शिक्षा अधिकारी विनोद श्योराण व खंड शिक्षा अधिकारी विजय सचदेवा भी शामिल हुए। प्रिंसिपल सुमन रोहित की अध्यक्षता में यह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। प्रिंसिपल ने बताया कि इन दो कमरों का निर्माण विद्यालय प्रबंधन समिति द्वारा खण्ड नाथूसरी चोपटा के अभियंता जसपाल सिंह की देखरेख में सम्पन्न हुआ। जिला शिक्षा अधिकारी व अन्य अधिकारियों का स्वागत स्कूल प्रबंधन व ग्राम पंचायत द्वारा किया गया। इस मौके पर जिला शिक्षा अधिकारी ने विद्यालय स्टाफ से स्कूल बारे जानकारी प्राप्त की। इस बार मोडिया खेड़ा स्कूल का बोर्ड रिजल्ट शत प्रतिशत रहा व मैट्रिक में 14 विद्यार्थियों ने मैरिट हासिल की। इस पर जिला अधिकारी ने अगले रिजल्ट में और ज्यादा मैरिट लाने के लिए प्रेरित किया तथा स्कूल को और बढि?ा बनाने व गांव में अच्छी पहचान बनाने के लिए कहा। खंड शिक्षा अधिकारी विजय सचदेवा ने प्राथमिक कक्षाओं का अवलोकन किया व विद्यार्थियों में जनरल नॉलेज बढ़ाने के और प्रयास करने के लिए कहा। इस मौके पर संदीप नूइयां,प्रिंसिपल मंजू पूनिया साहुवाला प्रथम, प्रिंसिपल उमेद सिंह ढाका गुडिया खेड़ा, गांव सरपंच भारत शाह, रोहताश घोटिया, रणधीर घोटिया, एस एम सी प्रधान रामेश्वर, ए बी आर सी कमलेश, संजय दहिया, आदित्य कुमार, मुख्य शिक्षक नरेश कुमार, सभी स्कूल इंचार्ज क्लस्टर मोडिया खेड़ा के शामिल हुए। स्कूल से कृष्ण जैन, हरजीत सिंह, अजायब सिंह, हितेश कुमार, कमल कुमार, दीपक कंबोज, मदन लाल, रमेश कुमारी, रीटा, संदीप कुमार, संजय, नरेश कुमार आदि शामिल थे।

महंत रवीना गुरु माँ ने ट्रांसजेंडर की जगह मंगलामुखी शब्द के प्रयोग की सराहना की

सेवा धाम में ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम 2019 एवं नियम 2020 पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

रवीना बड़हि, मोहनी महंत एवं नव्य साहू ने ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए इस कानून की महत्ता समझाई

वक्ताओं ने समाज में ट्रांसजेंडर समुदाय की समान भागीदारी और अधिकार सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया

डेमोक्रेटिक फ्रंट, चण्डीगढ़। सेवा धाम, सेक्टर 29 में ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम 2019 एवं नियम 2020 पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम विद्या देवी चैरिटेबल ट्रस्ट, राष्ट्रीय समाज रक्षा संस्थान (एनआईएसडी), केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण मंत्रालय, भारत सरकार एवं सामाजिक संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में हुआ जिसमें वक्ताओं ने समाज में ट्रांसजेंडर समुदाय की समान भागीदारी और अधिकार सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यक्रम के प्रथम तकनीकी सत्र में रवीना बड़हि, राष्ट्रीय ट्रांसजेंडर परिषद, भारत सरकार की सदस्य, ने ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक योगदान पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात सुश्री रवीना बड़हि, मोहनी महंत एवं नव्य साहू ने मिलकर ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम 2019 एवं नियम 2020 पर विस्तृत चर्चा की और समुदाय के लिए इस कानून की महत्ता समझाई।

कार्यक्रम में महंत रवीना गुरु माँ ने सरकार से अपील की कि प्रधानमंत्री आवास योजना मे ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को भी मकान मिलना चाहिए और हर शहर मे ट्रांसजेंडर्स के लिए अलग से टॉयलेट्स होने चाहिए और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम 2019 एवं नियम 2020 पर चर्चा की। उन्होंने ट्रांसजेंडर की जगह मंगलामुखी शब्द के प्रयोग की सराहना की।

महंत नवीन सरहदी पीठाधीश्वर श्री बाल्मीकि शक्ति पीठ ने कार्यक्रम मे ट्रांसजेंडर्स के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक योगदान पर प्रकाश डाला और हमें सब को मिलकर ट्रांसजेंडर व्यक्तियों (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम 2019 एवं नियम 2020 पर विस्तृत चर्चा कर अपने सम्पूर्ण सहयोग का भरोसा दिया और ट्रांसजेंडर की जगह मंगलामुखी शब्द की भी सराहना की।

सुश्री प्रीत ने ट्रांसजेंडर्स को आ रही दिक्कतों को करुणा भरी भावनाओं से बताया कि ट्रांसजेंडर्स भी परमात्मा के ही बनाये हुए हैं और हमारे समाज का हिस्सा हैं, जिसे सिर्फ आप की रेस्पेक्ट की जरूरत है। मोहनी महंत (जज पैनल मेंबर, नैशनल लोक अदालत) ने बताया कि अपना ह? लेने के लिए शिक्षा बहुत जरूरी है और सविधान का ज्ञान होना जरूरी है उन्होंने बताया की मनसा फाउंडेशन वेलफेयर सोसाइटी के नाम से संस्था चला रही जिसमें हर वर्ष 25 ट्रांसजेंडर बच्चों कम्प्यूटर की शिक्षा देकर उनको नौकरी लगाने का काम करती है। होना चाहिए और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम 2019 एवं नियम 2020 पर अपने विचार दिए। अगले सत्र में अशोक सिन्हा, राष्ट्रीय सेवा भारती, नई दिल्ली ने ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए विभिन्न हितधारकों की भूमिका एवं जिम्मेदारियों पर विचार रखे। इसके अतिरिक्त राजिंदर जैन ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन से प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में विशेष संबोधन रिशिपाल डडवाल, अध्यक्ष विद्या देवी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा अपने प्रेरणादायी उद्बोधन से प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक संगठनों, ट्रांसजेंडर समुदाय के प्रतिनिधियों, छात्रों और गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता की और सामूहिक रूप से समाज में समानता एवं गरिमा आधारित जीवन के लिए ट्रांसजेंडर समुदाय के साथ खड़े होने का संकल्प लिया। इस अवसर पर, प्रदीप गोयल, त्रिलोकी नाथ गोयल, अजय गाँधी, राजिंदर जैन, एडवोकेट सतिन्दर सिंह, एडवोकेट गीतांजलि वाधवा, राजकुमार शर्मा सहित सेवा भारती के समस्त कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय महर्षि वाल्मीकि जयंती समारोह में छात्राओं को किया सम्मानित

सिरसा। पंचायत भवन सिरसा में जिला स्तरीय महर्षि वाल्मीकि जयंती बड़े हर्षोल्लास एवं श्रद्धा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुति देने वाली राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नाथूसरी कलां, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मेला ग्राउंड सिरसा, न्यू सतलुज स्कूल सिरसा की छात्राओं को जिला स्तर पर शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुति पर समाजसेवी गोविंद कांडा द्वारा 11000-11000 प्रत्येक टीम को तथा टीम इंचार्ज को भी नगद राशि एवं विशेष मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विनोद भ्याना विधायक हांसी, समाजसेवी गोविंद कांडा, सुरेंद्र आर्य प्रदेश सचिव भारतीय जनता पार्टी, जिला शिक्षा अधिकारी सुनीता सांई, भाजपा प्रदेश सचिव यतींद्र सिंह, रेणु शर्मा जिला अध्यक्ष डबवाली, अध्यक्ष नगर परिषद शांति स्वरूप, हनुमान कुंडू जिला महामंत्री भाजपा, सुमन शर्मा नगर पार्षद सिरसा, सीईओ जिला परिषद सिरसा, राकेश कुमार जिला कल्याण अधिकारी, प्रवक्ता दलबीर सिंह, द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं महर्षि वाल्मीकि जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। शिक्षाविद चमन भारतीय ने महर्षि वाल्मीकि जी के जीवन विषय पर अपने विचार रखे। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों एवं सांस्कृतिक संस्थाओं के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम, भजन, नृत्य, नाटक एवं कविता पाठ के माध्यम से महर्षि वाल्मीकि जी के जीवन दर्शन, उनकी शिक्षाओं एवं समाज में दिए गए योगदान को प्रस्तुत किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के सफल आयोजन पर जिला शिक्षा अधिकारी सुनीता सांई ने सभी बच्चों, तैयारी करने वाले अध्यापकों और विद्यालय मुखियाओं को शानदार प्रस्तुति पर बधाई दी। राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नाथूसरी कला के प्राचार्य सतवीर सिंह ढिढारिया ने सभी का धन्यवाद व्यक्त किया।

शहरवासियों को बेहतरीन सुविधाएं प्रदान करेगा श्रीमत सिटी सेंटर: ललित जैन

सिरसा। डबवाली रोड पर नवनिर्मित श्रीमत सिटी सेंटर शहरवासियों व आसपास के लोगों के लिए बेहतरीन सुविधाएं उपलब्ध करवाएगा। प्रथम फेज में यहां 123 दुकानों का निर्माण किया गया है, जहां सिनेमा से लेकर अस्पताल व हर प्रकार की सुविधा शहरवासियों को एक ही जगह पर उपलब्ध होंगी। सबसे बड़ी पार्किंग व जलभराव की समस्या से यहां लोगों को छुटकारा मिलेगा। वर्ष 2026 तक फेज-1 बनकर तैयार हो जाएगा। लोगों का बहुत अच्छा रिस्पांस देखने को मिल रहा है। प्रोजेक्ट के तीनों और चौड़ा रास्ता है, जिससे यहां आने के साथ-साथ निकलने में भी लोगों को कोई समस्या नहीं आएगी। उक्त जानकारी श्रीमत सिटी सेंटर के प्रमोटर ललित जैन व राजीव जैन ने संयुक्त रूप से बुधवार को मीडिया से रू-ब-रू होते हुए दी। इस मौके पर श्रीमत टेक्सवर्थ के निदेशक माधव जैन भी उपस्थित थे। जैन ने बताया कि इस तरह के पांच प्रोजेक्ट पांच बड़े शहरों में प्रगति पर है। इस प्रोजेक्ट को कंपनी की ओर से आगामी 25 सालों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया है।

प्रतियोगिताओं से निखरता है व्यक्तित्व : सज्जन कुमार

सिरसा। सीएमआरजे राजकीय महाविद्यालय मिठी सुरेरां, ऐलनाबाद में प्राचार्य डा. सज्जन कुमार की अध्यक्षता तथा डा. कुलजीत कौर के संयोजन में दो दिवसीय प्रतिभा खोज समारोह की शुरुआत की गई। कार्यक्रम की शुरुआत में प्राचार्य डा. सज्जन कुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि हर किसी में कोई ना कोई प्रतिभा अवश्य छुपी होती है और कॉलेज आपको एक ऐसा मंच उपलब्ध करवाता है, जिससे कि प्रतिभा निखर कर सामने आए। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं से प्रतिभा निखरती है और व्यक्तित्व संवरता है। उन्होंने छात्र-छात्राओं से यह आह्वान भी किया कि वह शिक्षा ग्रहण करने के साथ-साथ व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास के लिए सह-पाठयक्रम तथा सभ्यचारक गतिविधियों में भाग अवश्य लें। प्रो. कुलजीत कौर ने भी अपने विचार व्यक्त किए। महाविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी डा. जोगिंद्र सिंह ने बताया कि इस समारोह में पहले दिन सह-पाठयक्रम गतिविधियां, जिनमें कार्टूनिंग, पीपीटी, मेहंदी, भाषण प्रतियोगिता और पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में निर्णायक मंडल की भूमिका प्रोण् सुरेश कुमारी, प्रो. सावन कुमार, प्रो. राजवीर, पूजा व डा. कविता चौधरी ने निभाई। कार्टूनिंग प्रतियोगिता में अजय ने पहला, ज्योति ने दूसरा, रचना ने तीसरा, पीपीटी में रुद्रप्रताप सिंह ने पहला, मोहित कुमार ने दूसरा, ममता रानी ने तीसरा, मेहंदी प्रतियोगिता में ज्योति ने पहला, तमन्ना ने दूसरा, किरण ने तीसरा,, भाषण प्रतियोगिता में मोहित कुमार ने पहला, रुद्रप्रताप सिंह ने दूसरा, पूजा ने तीसरा, पेंटिंग प्रतियोगिता में ज्योति ने पहलाएरचना ने दूसरा तथा बस्करो व अजय ने सयुंक्त रूप से तीसरा स्थान प्राप्त किया। मंच का संचालन प्रो. कुलजीत कौर ने किया। इस मौके पर प्रो. दलीप सिंह, प्रो. कुलजीत कौर, डा. सुगन सिंह, प्रो. सुरेश कुमारी, डा. साधा सिंह, डा. जोगिन्द्र सिंह, प्रो. प्रवीण अग्रवाल, प्रो. सावन कुमार, प्रो राजवीर, डा. कविता चौधरी प्रो. पूजा के साथ-साथ अन्य शैक्षणिक व गैर-शैक्षणिक स्टाफ सदस्यों सहित भारी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उपस्थिति दर्ज करवाई।

जीएनसी सिरसा में श्री गुरु तेग बहादुर जी को समर्पित दो दिवसीय आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न

सिरसा. श्री गुरु तेग बहादुर जी द्वारा रचित बाणी और उनके बलिदान की वर्तमान परिवेश में मानवीय आजादी, समानता, सामाजिक न्याय व मानवाधिकारों की रक्षा हेतु वैश्विक स्तर पर प्रासंगिकता को चिह्नित करते हुए राजकीय नैशनल महाविद्यालय, सिरसा में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार एवं कवि दरबार का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहादत वर्ष के उपलक्ष्य में राजकीय नैशनल महाविद्यालय, सिरसा में पंजाबी साहित्य अकाडमी, लुधियाना के तत्वावधान में पंजाबी लेखक सभा, सिरसा एवं पंजाबी विभाग, सरकारी नैशनल महाविद्यालय, सिरसा के सहयोग से श्री गुरु तेग बहादुर जी- शब्द एवं शहादत विषय पर हुए इस दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार व कवि दरबार में अंतरराष्ट्रीय ख्यातिनाम पंजाबी चिंतक डॉ. सुखदेव सिंह सिरसा ने मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के तौर पर शिरकत की। उन्होंने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी ने भिन्न धार्मिक मतैक्य वाले समुदाय के मानवीय अधिकारों की रक्षार्थ अपने समय की दमनकारी सत्ता को सीधी चुनौती देते हुए जिस भय-मुक्त मानव के संकल्प का सृजन किया उसकी वैश्विक स्तर पर वर्तमान परिवेश में प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है। सेमिनार संयोजक डॉ. हरविंदर सिंह सिरसा ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस सेमिनार के दौरान छ: सत्रों का आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र के उपरान्त आयोजित तीन सत्रों में डॉ. संदीप सिंह मुंडे, डॉ. गुरप्रीत कौर, डॉ. हरमीत कौर, डॉ. चरनदीप सिंह, डॉ. बीरबल सिंह व अमनदीप कौर ने गुरु तेग बहादुर बाणी के विभिन्न आयामों, उनकी यात्राओं, उनके विचारों-विचारधारा व उनके समकालीन शहीदों भाई मती दास, भाई सती दास, भाई दयाला जी के जीवन-वृत्तांत इत्यादि को स्पष्ट करते हुए उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को विलक्षण, उदाहरणीय एवं अनुकरणीय बताया। चुंनिदा शोध-पत्रों पर आधारित सत्र में चालीस शोधार्थियों ने अपना पंजीकरण करवाया इनमें से प्रो. स्वर्णदीप सिंह, प्रो. हरविंदर कौर, हरविंदर सिंह व प्रो. अवतार सिंह ने संबंधित विषयों पर अपने शोध-पत्र प्रस्तुत किए। श्री गुरु तेग बहादुर जी को समर्पित कवि दरबार वाले सत्र में सर्वश्री सुरजीत जज, नवतेज गडदीवाला, डॉ. बलविंदर सिंह मोहाली, डॉ. गुरचरण कौर कोचर, डॉ. हरी सिंह जाचक, डॉ. निर्मल सिंह, डॉ. गुरप्रीत सिंह सिंधरा, लखविंदर सिंह बाजवा, भुपिंदर पन्नीवालिया, सुरजीत सिंह हरदेव सिंह पुरेवाल, करनैल सिंह असपाल, सुभाष सोलंकी, पूरन सिंह निराला, परवीन शर्मा, जसवीर सिंह मौजी, डॉ. खुशनसीब गुरबख्शीश कौर, डॉ. रिपुदमन शर्मा, छिन्दर कौर सिरसा, मुख्त्यार सिंह चट्ठा, हरजीत सिंह देसूमलकाना, शाम लाल शास्त्री, पुरषोत्तम शास्त्री व कुलविंदर सिंह ने कवितायों व गीतों की प्रस्तुति दी।

ONLINE / Home Tutions
COMMERCE CLASSES
SUBJECTS:
Accountancy, Economics, Business Studies
CLASSES:
11TH, 12TH, B.COM, B.BA
By Qualified & experienced teachers
1 FREE DEMO CLASS
CONTACT NO.
6280972022

स्वामी एवं मुद्रक व संपादक कोरल द्वारा कार्यालय # 407, सेक्टर 16 पंचकूला से प्रकाशित और इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड, पंचकूला से मुद्रित करवाया जाता है। TITLE CODE : 1364436, Mob : 7508038116, E-mail : sareeka2473@gmail.com, website www.demokraticfront.com

एक नजर

12 अक्टूबर को पोलियो दिवस पर बच्चों पिलाई जाएगी पोलियो की खुराक

डेमोक्रेटिक फ्रंट हिसार/पवन सैनी.उपायुक्त अनीश यादव ने बताया कि प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार जिले में द्वारा 12 अक्टूबर को पोलियो दिवस मनाया जाएगा। इस अवसर पर जिले में बच्चों को दो बूंद हर बार, पोलियो पर जीत रहे बरकरार के संदेश के साथ पोलियो की खुराक दी जाएगी। यह अभियान राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, स्वास्थ्य विभाग हरियाणा के द्वारा संचालित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अधिकारियों ने कहा कि भारत पोलियो मुक्त है, लेकिन कुछ देशों में यह बीमारी अब भी मौजूद है और वापस आ सकती है। इसलिए बच्चों की सुरक्षा के लिए पोलियो की खुराक हर बार देना अत्यंत महत्वपूर्ण है। उपायुक्त अनीश यादव ने बच्चों के अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने 5 साल तक के बच्चों को पोलियो की खुराक समय पर पिलाकर इस अभियान में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। पोलियो पर लगातार जागरूकता बनाए रखना देश को इस बीमारी पर पूरी तरह जीत दिलाने में मदद करेगा। उन्होंने बताया कि इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए नागरिक आशा वर्कर, एएनएम व आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से संपर्क अथवा विभागीय पोर्टल www.nhmharyana.gov.in पर भी विजिट कर सकते हैं।

गुजविप्रौवि में 'एक पेड़ डिग्री के नाम 2.0' अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

डेमोक्रेटिक फ्रंट हिसार/पवन सैनी. गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के बी.टेक प्रथम वर्ष के नवप्रवेशी विद्यार्थियों के लिए ऑफिस ऑफ कोऑर्डिनेटर (बी.टेक. प्रथम वर्ष) द्वारा एक भव्य मेगा वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम एक पेड़ डिग्री के नाम 2.0 अभियान के अंतर्गत आयोजित हुआ, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरणीय चेतना, सामाजिक उत्तरदायित्व और सतत विकास की भावना को जागृत करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. नरसी राम बिश्नोई, कुलपति, जीजेडीयूएसटी, हिसार थे। अपने प्रेरणादायक संबोधन में कुलपति प्रो. बिश्नोई ने कहा कि वृक्षारोपण केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम नहीं, बल्कि यह विद्यार्थियों में राष्ट्र निर्माण की जिम्मेदारी का भी बोध कराता है। उन्होंने कहा कि जब विद्यार्थी अपने डिग्री काल में एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करते हैं, तो वे न केवल प्रकृति के प्रति कर्तव्य निभाते हैं, बल्कि यह कार्य उनके जीवन में अनुशासन, सेवा और जिम्मेदारी का प्रतीक बन जाता है। इस अवसर पर प्रो. अंजन कुमार बराल, कोऑर्डिनेटर (बी.टेक. प्रथम वर्ष) तथा डॉ. संजीव कुमार, डिप्टी कोऑर्डिनेटर रहे। उनके मार्गदर्शन में आयोजित इस अभियान में लगभग 300 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने-अपने पौधे रोपे। प्रत्येक विद्यार्थी ने यह संकल्प लिया कि वे अपनी डिग्री अवधि के दौरान अपने पौधे की नियमित देखभाल करेंगे। इस आयोजन में यूथ रेड क्रॉस के स्वयंसेवकों ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया। उनके संयोजक डॉ. महावीर प्रसाद वाई आर सी काउंसलर मंजू यादव के नेतृत्व में स्वयंसेवकों ने वृक्षारोपण किया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कई वरिष्ठ अध्यापक एवं अधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें प्रो. नीरज दिलबगी (निदेशक, उद्यान), प्रो. खुजान सिंह (निदेशक, सीडीओई), प्रो. अनिल भानखड़ (प्रॉक्टर), डॉ. बिजेंद्र, डॉ. सोमदत्त, डॉ. नेहा, डॉ. नवीन गोयल, अभिषेक सैनी, श्री नरवैल सिंह तथा अन्य प्रमुख रूप से शामिल रहे।

बॉडीबिल्डर एथलीटों को दिल का दौरा पड़ने का खतरा पाँच गुना ज़्यादा : विशेषज्ञ

डेमोक्रेटिक फ्रंट चंडीगढ़- यह एक सर्वविदित तथ्य है कि पुरुष बॉडीबिल्डर एथलीटों को दिल का दौरा पड़ने का खतरा पाँच गुना ज्यादा होता है। ऐसा कई कारणों से होता है। पार्क हॉस्पिटल, मोहाली में कार्डियोथोरेसिक एंड वैस्कुलर सर्जरी के चेयरमैन, डॉ. एचएस बेदी ने इस बारे में बताते हुए कहा कि ऐसे एथलीटों को कार्डियोमायोपैथी नामक हृदय विकार हो सकता है, जिससे अचानक हृदय मृत्यु (एससीडी) होने का खतरा रहता है। डॉ. बेदी ने बताया कि कार्डियक इको नामक एक साधारण परीक्षण से इसका आसानी से पता लगाया जा सकता है। इसके अलावा, इन एथलीटों को कभी-कभी एनाबॉलिक स्टेरॉयड और प्रोटीन सप्लीमेंट दिए जाते हैं, जो हृदय और गुर्दे को नुकसान पहुँचा सकते हैं। डॉ. बेदी ने आगे बताया कि एक अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में एथलीट कभी-कभी एक निश्चित वजन बनाए रखने के लिए जानबूझकर डिहाइड्रेशन का शिकार हो जाते हैं। इससे रक्त गाढ़ा हो जाता है और थक्के के कारण दिल का दौरा पड़ने का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि अत्यधिक व्यायाम हृदय पर अनावश्यक रूप से भारी दबाव डाल सकता है। उन्होंने एक पूर्व मिस्टर पंजाब का जक्रि किया, जिन्हें उपरोक्त कारकों के संयोजन के कारण कम उम्र में ही हृदय रोग हो गया था। डॉ. बेदी ने उनकी सफलतापूर्वक बाईपास सर्जरी की थी। डॉ. बेदी ने बताया कि प्रतिष्ठित यूरोपियन हार्ट जर्नल में मई 2025 में प्रकाशित एक शोध पत्र में उपरोक्त सभी बातों का वैज्ञानिक रूप से दस्तावेजीकरण किया गया है। डॉ. बेदी ने कहा कि इसमें कहा गया है कि हमारे बॉडीबिल्डर एथलीटों में दिल के दौरे के जोखिम को नियंत्रित रखने के लिए नियमित हृदय जांच, एक योग्य प्रशिक्षक के मार्गदर्शन में एक क्रमबद्ध व्यायाम योजना, विवेकपूर्ण कम वसा वाला, बिना तले आहार और किसी भी दवा या कृत्रिम पूरक से परहेज करना जरूरी है।

ज्ञान ज्योति ग्लोबल स्कूल में प्यार, हंसी और यादों के साथ दादा-दादी दिवस मनाया गया

मोहाली. ज्ञान ज्योति ग्लोबल स्कूल में बच्चों के जीवन में दादा-दादी और नाना-नानी की अमूल्य भूमिका का सम्मान करते हुए ग्रैंडपेरेंट्स डे बड़े ही गर्मजोशी और उत्साह के साथ मनाया गया। स्कूल का सभागार किंडरगार्टन सेक्शन के छोटे विद्यार्थियों द्वारा अपने प्यारे बुजुर्गों को समर्पित प्रस्तुतियों के कारण खुशी, स्नेह और सुनहरी यादों से गूंज उठा। समारोह की शुरुआत हार्दिक स्वागत और दीप प्रज्वलन की भावपूर्ण रस्म के साथ हुई, जो दादा-दादी द्वारा लाए गए प्यार और ज्ञान के प्रकाश का प्रतीक है। इस कार्यक्रम ने सुंदरता से स्कूल की पांच दशक पुरानी विरासत को दर्शाया, जिसने हमेशा मूल्यों और मजबूत पारिवारिक संबंधों का पोषण किया है। प्ले-ग्रुप और नर्सरी कक्षाओं के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने अपने दिल को छू लेने वाले नृत्यों, गीतों और प्यार भरी प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस वर्ष के समारोह में कुछ विशेष और मनोरंजक गतिविधियाँ शामिल थीं, जिन्होंने माहौल को और भी रोचक बना दिया । दादा-दादी ने अपने बचपन के दिलचस्प किस्से साझा किए, जिससे बच्चों को पुराने समय के मूल्यों और जीवन शैली के बारे में पता चला। ग्रैंडपेरेंट्स ने अपने पोते-पोतियों के साथ मिलकर पारंपरिक और मजेदार खेल (जैसे अंताक्षरी और रिंग टॉस) खेले, जिससे प्यार भरी यादें बनीं।

डेंगू के बढ़ते मामलों पर पारस हेल्थ पंचकूला की चिंता, आधे से ज़्यादा मरीज पॉजिटिव

डेंगू के बढ़ते आंकड़े चिंता बढ़ाने वाले, हरियाणा में पार 1,000 का आंकड़ा

अक्टूबर में डेंगू का चरम, डॉक्टरों की अपील, लक्षण दिखते ही इलाज कराएं

डेमोक्रेटिक फ्रंट पंचकूला. पारस हेल्थ पंचकूला ने डेंगू के केसों में ज्यादा बढ़ोतरी को लेकर चिंता जताई है। पिछले 10 दिनों में हॉस्पिटल में भर्ती लगभग आधे मरीजों में डेंगू पॉजिटिव की रिपोर्ट आई है। इनमें से कई मरीजों की प्लेटलेट्स बहुत कम 20,000 से 50,000 प्रति माइक्रोलिटर पाई गई हैं। इतना कम प्लेटलेट्स आंतरिक ब्लीडिंग और गंभीर डेंगू का खतरा बढ़ा देती हैं। डेंगू के केसों में हुई बढ़ोत्तरी हरियाणा के बाकी हिस्सों जैसी ही है। इस सीज़न में राज्य में अब तक 1,000 से ज़्यादा डेंगू के केस सामने आ चुके हैं। रेवाड़ी, करनाल, रोहतक और गुरुग्राम जैसे ज़िले डेंगू से गंभीर रूप से प्रभावित हैं। सिर्फ पंचकूला में ही पिछले साल के अंत तक 1,200 से ज़्यादा केस दर्ज किए गए थे। एक्सपर्ट्स ने चेताया है कि अगर रोकथाम के उपाय तेज़ी से नहीं किए गए, तो शहर में उतना ही गंभीर या इससे भी बड़ा प्रकोप हो सकता है। पारस हेल्थ के इंटरनल मेडिसिन एसोसिएट डॉयरेक्टर डॉ सुमित जैन ने बताया कि बदलते मौसम के पैटर्न की वजह से भी डेंगू का प्रकोप बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि हमे इस बार मानसून के बाद डेंगू के केसों में वृद्धि देखने को मिल रही है। इस मौसम में कम ज्यादा होता तापमान और आंशिक तौर पर ह्यूमिडिटी की वजह से मच्छरों का प्रजनन ज्यादा हो रहा है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि ज्यादातर मरीज इलाज़ कराने में देरी कर रहे हैं। डेंगू के लक्षणों को लोग वायरल बुखार समझ ले रहे हैं। समय से टेस्टिंग, हाइड्रेशन, और प्लेटलेट्स मॉनिटरिंग होने से गंभीर समस्या से बचा जा सकता है। सार्वजनिक सतर्कता, मच्छर भगाने वाली दवाओं का उपयोग, पानी के बर्तनों को ढककर रखना और स्वच्छता बनाए रखना डेंगू के खिलाफ रक्षा की पहली पंक्ति है। पारस हेल्थ के इन्फेक्शियस डिजीज के कंसल्टेंट डॉ नवनीत अरोरा ने बताया कि इस सीज़न की सामान्य संख्या की तुलना में डेंगू के मरीजों की हॉस्पिटल में भर्ती दो से तीन गुना बढ़ गई है। डॉक्टरों को सबसे ज्यादा चिंता इस बात की है कि ज़्यादातर मरीजों में प्लेटलेट्स काउंट्स बहुत तेज़ी से गिर रहा है। जब प्लेटलेट्स 50,000 प्रति माइक्रोलिटर से कम हो जाती हैं, तो अंदरूनी ब्लीडिंग और शॉक का खतरा बहुत बढ़ जाता है। प्लेटलेट्स का इतनी तेजी से गिरना एक खतरनाक संकेत है। मानसून के बाद बनी नमी और रुका हुआ पानी एडीज मच्छरों के पनपने के लिए एक आदर्श माहौल बनाता है। डॉक्टर ने चेतावनी दी है कि अगर इस चक्र को तुरंत नहीं रोका गया, तो अगले दो हफ्तों में डेंगू के केस तेज़ी से बढ़ सकते हैं। इस साल मलेरिया के केस बहुत कम हैं, लेकिन डेंगू शहर की सबसे प्रमुख संक्रामक बीमारी बन गया है। पारस हेल्थ पंचकुला के डॉक्टरों का कहना है कि समय पर पहचान, प्लेटलेट्स की सही समय पर जांच और हॉस्पिटल में इलाज जटिल समस्याओं से बचने के लिए बहुत ज़रूरी हैं। अगर किसी को लगातार तेज़ बुखार, तेज़ सिरदर्द, आंखों के पीछे दर्द, बदन दर्द, स्किन पर चकत्ते या बिना कारण खून निकलने जैसे लक्षण हों, तो घरेलू इलाज या खुद दवा लेने की बजाय तुरंत डॉक्टर से जांच करानी चाहिए। पारस हेल्थ ने डेंगू के बढ़ते केसों को संभालने के लिए अपनी क्षमता बढ़ाई है। हॉस्पिटल में प्लेटलेट ट्रांसफ्यूजन यूनिट्स, इंटेंसिव केयर सपोर्ट और 24×7 निगरानी की व्यवस्था की गई है। फिर भी डॉक्टरों का कहना है कि केवल हॉस्पिटल की तैयारी से इस प्रकोप को नहीं रोका जा सकता। असली रोकथाम तो सामुदायिक स्तर पर की जाने वाली सावधानी से ही संभव है। उत्तर भारत में अक्टूबर पारंपरिक रूप से डेंगू फैलने का सबसे ज्यादा समय होता है। इसी को देखते हुए डॉक्टरों ने लोगों से अपील की है कि लक्षण दिखते ही इलाज में देरी न करें। समय पर इलाज शुरू करना ही ठीक होने और जानलेवा कॉम्प्लिकेशन से बचने का सबसे असरदार तरीका है।

किशोरी होंगे कालका के कार्यकारी मंडल अध्यक्ष

डेमोक्रेटिक फ्रंट पंचकूला. भाजपा जिला अध्यक्ष अजय मित्तल ने कालका मंडल के महामंत्री किशोरी शर्मा को पदोन्नति देते हुए कार्यकारी मंडल अध्यक्ष नियुक्त किया है। अजय मित्तल ने बताया, कालका विधायिका शक्ति रानी शर्मा एवं कालका के वरिष्ठ नेताओ, पदाधिकारियों से सलाह करके यह नियुक्ति की गयी है। उन्होंने कहा, निवर्तमान मंडल अध्यक्ष कपिल गौड़ ने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए बतौर मंडल अध्यक्ष कार्य करने में अपनी असमर्थता जताई थी। कल पार्टी मुख्यालय पंचकमल में जिला अध्यक्ष अजय मित्तल, कालका विधायिका शक्ति रानी शर्मा सहित तमाम पार्टी पदाधिकारियों ने किशोरी शर्मा को पुष्प गुच्छ देकर उन्हें नए दायित्व की बधाइयां एवं शुभकामनाएं दी। अजय मित्तल ने विश्वास जताते हुए कहा, किशोरी शर्मा के नेतृत्व में कालका मंडल के तमाम सांगठनिक कार्यो में तेजी आएगी। गौरतलब है, भाजपा जिला संगठन ने जिले की दोनों विधानसभाओ को कुल नौ मंडलो में बांटा है, जिसमे कालका विधानसभा के पांच और पंचकूला विधानसभा के चार मंडल शामिल है।

विश्वास फाउंडेशन ने डोनेट की प्रोटीनयुक्त पोषक डाइट 100 टीबी से ग्रस्त मरीजों के लिए

डेमोक्रेटिक फ्रंट, पंचकूला. स्टेट टीबी ऑफिसर राजेश राजू व सीएमओ मुक्ता कुमार की अध्यक्षता में विश्वास फाउंडेशन द्वारा गुरुदेव श्री विश्वास जी के आशीर्वाद से 100 टीबी से ग्रस्त मरीजों के लिए प्रोटीन युक्त पोषण डाइट दी गई। डिटीओ संदीप छाबड़ा द्वारा सभी सदस्यों का आभार जताते हुए टीबी मुक्त अभियान के लिए एक सराहनीय कदम बताया। विश्वास फाउंडेशन की अध्यक्ष साध्वी नीलिमा विश्वास ने बताया कि यह पोषण डाइट के 16 पैकेट पीएससी ओल्ड पंचकूला, गाँव नाड़ा की डिस्पेंसरी में 7 पैकेट दिए गए, यूडी 19 में 30 पैकेट, गवर्नमेंट डिस्पेंसरी 12 ए में 12 पैकेट व 15 पोषण किट पॉलीक्लिनिक 26 में मरीजों के लिए दिए गए। वहीँ गवर्नमेंट डिस्पेंसरी 8 में 6 पैकेट, जीडी 21 में 8 पैकेट व सेक्टर 6 टीबी हट में 6 पैकेट दिए गए। इस अवसर पर विश्वास फाउंडेशन से ऋषि सरल विश्वास, रणधीर सिंह, मदन नागपाल व टीबी विभाग से सतीश वत्स मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि इस पैक्ड किट में मरीजों के लिए 1 किलो सोया दाल, 1 किलो सोया आटा, 500 ग्राम सोयाबीन बड़ी, 500 ग्राम भूना चना, 500 ग्राम गुड़ व 1 डिब्बा प्रोटीन पाउडर होता है। संस्था द्वारा जून 2022 से मरीजों को डाइट देनी शुरू की गई थी और यह प्रक्रिया आगे भी इसी तरह जारी रहेगी।

एसबीआई ऑफिसर एसोसिएशन द्वारा करवाचौथ की पूर्व संध्या पर महिलाओं के लिए मेहंदी कार्यक्रम

डेमोक्रेटिक फ्रंट पंचकूला। एस बी आई ऑफिसर एसोसिएशन पंचकूला मॉड्यूल ने चंडीगढ़, पंचकूला, कुरुक्षेत्र और अंबाला में करवाचौथ की पूर्व संध्या पर महिलाओं के लिए एक भव्य मेहंदी कार्यक्रम का आयोजन किया। इस समारोह में 150 से अधिक महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जो एक अद्वितीय सांस्कृतिक उत्सव के रूप में उभरा। पंचकूला में कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रीय प्रबंधक श्री ऋषि कुमार और चंडीगढ़ में सहायक महा प्रबंधक श्री दीपक बंसल ने सभी महिलाओं को हार्दिक शुभकामनाएं दीं और उपहार वितरित किए। यह पहल महिलाओं के सशक्तिकरण और उनकी प्रतिभा को उजागर करने का एक महत्वपूर्ण अवसर साबित हुई।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में श्रीमती ज्योति राय, रितु पूरी श्री राम किशोर पोद्दार, विकास कुमार, दीपक सोढ़ी और पंकज कुमार की विशेष भूमिका रही। उनके प्रयासों ने इस आयोजन को और भी खास बना दिया।

इस अवसर पर ऑफिसर एसोसिएशन के डीजीएस(सर्किल) श्री हरविंदर सिंह और पंचकुला मॉडुल से डीजीएस श्री प्रेम पवार और प्रधान श्री विनय कुमार, निर्मल सेतिया भी उपस्थित रहे, जिन्होंने कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ाया और सभी उपस्थित महिलाओं को प्रेरित किया।

यह मेहंदी कार्यक्रम न केवल महिलाओं के लिए एक उत्सव था, बल्कि यह एकजुटता और सामुदायिक बंधन को भी मजबूत करने का एक प्रयास था।

भारत पब्लिक स्कूल बाबैन में करवा चौथ का त्यौहार मनाया

बाबैन. भारत पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल बाबैन में करवा चौथ का त्यौहार बड़े उल्लास से मनाया गया। इस अवसर पर स्कूल प्रबंधक व पूर्व सांसद कैलाशो सैनी विद्यालय में पहुंची और उन्होंने अपने सभी महिला कर्मचारियों को करवा चौथ की शुभकामनाएं दी। इसके अतिरिक्त पूर्व सांसद कैलाशो सैनी जी ने भगवान से प्रार्थना करते हुए कहा कि सभी स्त्रियां इस त्यौहार को प्रतिवर्ष बड़े हर्षोल्लास से मनाएं। उन्होंने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि करवा चौथ का त्यौहार भारतीय विवाहित स्त्रियों के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण त्यौहार है । इस त्यौहार पर सुहागिनें सोलह श्रृंगार करके अपने सुहाग की रक्षा और सुखी गृहस्थी के लिए निर्जला व्रत रखती हैं। इस दिन बहू - बेटियों के पास व्रत से पहले सरगी के रूप में मिठाई और कपड़े भेजे जातेद्ध

हैं। इस त्यौहार के अवसर पर विद्यालय में मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें स्कूल की छात्राओं बड़े उत्साह से भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। पूर्व सांसद प्रोफेसर कैलाशो सैनी जी ने मेहंदी प्रतियोगिता में भाग लेने वाली छात्राओं की प्रतिभा की खूब सराहना की प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पाने वाली छात्राओं को कैलाशो सैनी जी द्वारा पुरस्कार वितरित किए। अंत में प्रिंसिपल मैम ने उनका इस अवसर पर पधारने पर और छात्राओं का पुरस्कार देकर उत्साह वर्धन के लिए धन्यवाद किया।

करवा चौथ का त्योहार सभी सुहागिनों के लिए महत्वपूर्ण होता है : रीटा ढींढ़सा

सैनी सीनियर सैंक्डरी स्कूल में धूमधाम से मनाया गया करवा चौथ का त्योहर

बाबैन, 10 अक्तूबर(रवि कुमार)= सैनी सीनियर सैंक्डरी स्कूल बाबैन में करवा चौथ का त्यौहार धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस दौरान बच्चों ने मंहदी, बिंदी सजावट, करवा सजावट, दिया व मोमबत्ती सजावट, थाली सजावट, रंगोली आदि गतिविधियों में भाग लिया। जिसमें सभी बच्चों ने बढ़ चढकर भाग लिया। इस अवसर पर स्कूल की प्रधानाचार्य रीटा ढींढसा ने कहा कि हमारे त्यौहार सभी के लिए प्रेरणा का काम करते है। हर त्यौहार के पीछे कोई न कोई कहानी छिपी होती है। जिससे मानवता को प्रेरणा मिलती है। इस अवसर पर स्कूल की प्रधानाचार्य रीटा ढींढसा ने कहा कि सुहागिनों के प्रेम व आस्था का प्रतीक करवा सभी सुहागिनों के लिए महत्वपूर्ण होता है। करवा चौथ के दिन सुहागिन अपने पति की लंबी आयु की कामना को लेकर पूरे दिन व्रत करती है। रात को चांद देकर ही व्रत खोलती है। इस दिन पति अपनी पत्नियों को उपहार स्वरूप कुछ न कुछ भेट करते है।

एक नजर

सेक्टर-16 में सर्विस लेन की अधूरी दीवार से सुरक्षा पर संकट, निवासी बोले- जल्द जोड़ी जाए ॥स्ट्रक्क की बाउंड्री वाल से

डेमोक्रेटिक फ्रंट पंचकूला। सेक्टर-16 के निवासियों ने नगर निगम पंचकूला से मांग की है कि मकान नम्बर 848 से 824 तथा 780 से 762 तक सर्विस लेन के सामने बनाई गई कंक्रीट की दीवार को जल्द पूर्ण कर HSVP Water Works की बाउंड्री वाल से जोड़ा जाए, जिससे क्षेत्र में सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। निवासियों का कहना है कि शहर के अन्य सेक्टरों में जिन मकानों के मुख्य द्वार द्विसड़क विभाजक मार्गों की तरफ हैं, वहाँ सर्विस लेन पर HUDA/HSVP/MCP द्वारा लोहे की ग्रिल लगाई गई, जिसे सराहा भी गया। सेक्टर-16 की उक्त सर्विस लेन पर भी ग्रिल लगाई गई थी, लेकिन वह प्रभावी नहीं रही। इसके बाद नगर निगम ने कुछ वर्ष पूर्व वहीं कंक्रीट की दीवार का निर्माण शुरू किया, लेकिन वह सिर्फ पुलिस चौकी के पास मकान नं. 762 तक ही बनाई गई, जिससे आगे का हिस्सा खुला रह गया। स्थानीय लोगों ने कहा कि यदि उस समय दीवार को लगभग 100 फुट आगे बढ़ाकर HSVP Water Works की बाउंड्री से जोड़ दिया जाता, तो सर्विस लेन का डेड एंड बंद हो जाता और कई प्रकार की अव्यवस्थित गतिविधियों पर रोक लगती। निवासियों ने आयुक्त नगर निगम से शीघ्र कार्रवाई की मांग करते हुए कहा है कि दीवार को पूरा कर क्षेत्र में सुरक्षा और स्वच्छता सुनिश्चित की जाए।

सेक्टर-6 में धूमधाम से मनाया करवा चौथ पर्व

डेमोक्रेटिक फ्रंट पंचकूला। करवा चौथ के अवसर पर पंचकूला के सेक्टर-6 स्थित महापौर कुलभूषण गोयल के निवास पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस शुभ अवसर पर घर को सुंदर रूप से सजाया गया, जिससे वातावरण में त्यौहार की उमंग और खुशियों की चमक दिखाई दी। महापौर की धर्मपत्नी अंजू गोयल और पुत्रवधू नेहा गोयल की सहेलियाँ पारंपरिक परिधानों में सजी-धजी घर पहुंचीं और मिलकर करवाचौथ का पर्व पूरे उत्साह और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया। महिलाओं ने सोलह श्रृंगार कर चाँद के दीदार से पहले पूजा-अर्चना की और अपने पति की लंबी आयु की कामना की। कार्यक्रम में सौंदर्य, संगीत और आत्मीयता का सुंदर संगम देखने को मिला। अंजू गोयल और नेहा गोयल ने सभी अतिथियों का स्नेहपूर्वक स्वागत किया और एक-दूसरे को करवाचौथ की शुभकामनाएँ दीं। महापौर कुलभूषण गोयल ने भी उपस्थित सभी महिलाओं और परिवारजनों को पर्व की बधाई देते हुए कहा कि करवाचौथ भारतीय संस्कृति की पारिवारिक एकता और प्रेम का प्रतीक है। कार्यक्रम हर्षोल्लास और पारिवारिक सौहार्द के माहौल में संपन्न हुआ।

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के सदस्य बने एडवोकेट वासु रंजन शांडिल्य

डेमोक्रेटिक फ्रंट अंबाला। सुप्रीम कोर्ट और पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट में वकालत कर रहे एडवोकेट वासु रंजन शांडिल्य को आज सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन की सदस्यता प्रदान की गई। सुप्रीम कोर्ट बार की सचिव प्रज्ञा बघेल और वरिष्ठ अधिवक्ता रोहित वत्स ने शांडिल्य को सदस्यता ग्रहण करवाते हुए सदस्यता कार्ड भेंट किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। शांडिल्य ने इस अवसर पर कहा कि वे पूरे देश में अपनी संस्था 'काउंसिल ऑफ लॉयर्स' के माध्यम से उन लोगों को न्याय दिलाने के लिए कार्य कर रहे है जो आर्थिक अभाव के कारण न्याय से वंचित रह जाते हैं। उन्होंने कहा कि वे ऐसे जरूरतमंद लोगों को निचली अदालत से लेकर उच्चतम न्यायालय तक कानूनी सहायता प्रदान करेंगे और सदैव वकालत धर्म का ईमानदारी से पालन करेंगे। दिल्ली में सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन मुख्यालय में एडवोकेट वासु शांडिल्य को बार एसोसिएशन द्वारा सम्मानित भी किया गया। शांडिल्य ने कहा कि भारत के सर्वोच्च न्यायालय की बार एसोसिएशन का सदस्य बनना उनके लिए गर्व, सम्मान और प्रेरणा का क्षण है, जो उन्हें न्याय सेवा के अपने संकल्प को और सशक्त बनाने की प्रेरणा देगा। इस अवसर पर एडवोकेट अभिषेक मल्होत्रा, एडवोके जयंत चौधरी, एडवोकेट समीक्षा शर्मा, एडवोकेट अमिताभ रंजन, एडवोकेट प्रणय माहेश्वरी, एडवोकेट रविंद्र कुमार, एडवोकेट लक्ष्मी कांत शुक्ला सहित कई अधिवक्ता मौजूद रहे।

20 अक्तूबर से 31 जनवरी 2026 तक जिले की सीमा में सभी प्रकार के पटाखों के निर्माण, बिक्री और उपयोग पर प्रतिबंध लगाया

डेमोक्रेटिक फ्रंट हिसार/पवन सैनी. वायु एवं ध्वनि प्रदूषण के मद्देनजर जिलाधीश अनीश यादव ने 20 अक्तूबर 2025 से 31 जनवरी 2026 तक जिले की सीमा में सभी प्रकार के पटाखों के निर्माण, बिक्री और उपयोग पर प्रतिबंध लगाने के आदेश जारी किए हैं। इसके अलावा केवल ग्रीन क्रैकर्स को ही शर्तों के साथ सीमित अवधि में उपयोग की अनुमति दी गई है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 तथा एक्सप्लोसिव एक्ट 1884 एवं एक्सपलोसिव रूल्स आदि प्रावधानों के तहत जारी आदेशों में कहा गया है कि अक्तूबर से जनवरी माह की अवधि के दौरान वायु प्रदूषण का स्तर सबसे अधिक रहता है। इस दौरान पटाखों से निकलने वाला धुआं, रासायनिक तत्व और शोर प्रदूषण से आम जनता, विशेषकर बच्चों, बुजुर्गों तथा हृदय और श्वास संबंधी बीमारियों से पीड़ित लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। जिलाधीश ने बताया कि बैरियम साल्ट वाले पटाखों पर भी पूर्ण प्रतिबंध रहेगा, क्योंकि यह ठोस कचरा और ध्वनि प्रदूषण दोनों को बढ़ाते हैं। केवल ग्रीन क्रैकर्स, जो पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन द्वारा प्रमाणित हैं, को ही उपयोग की अनुमति दी जाएगी। उन्होंने बताया कि इसके अलावा जिले में लडियों और पारंपरिक पटाखों का उपयोग पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। केवल ग्रीन क्रैकर्स का उपयोग निर्धारित समय में ही किया जा सकेगा।

स्वच्छ भारत मिशन के कार्यकारी वाइस चेयरमैन सुभाष चंद्र ने नागरिकों को स्वच्छता का संकल्प दिलाया

नगर निगम द्वारा एकत्रित कचरे से बनाई गई खाद तथा पौध वितरण कार्यक्रम में की शिरकत

हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान 2025 के तहत संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक ली

17 सितंबर से 2 अक्टूबर के मध्य चलाए गए सेवा पखवाड़े के दौरान की गई गतिविधियों की ली जानकारी

डेमोक्रेटिक फ्रंट हिसार/पवन सैनी. स्वच्छ भारत मिशन के कार्यकारी वाइस चेयरमैन सुभाष चंद्र ने शुक्रवार को स्थानीय मॉडल टाउन के सेंट्रल पार्क में आयोजित कार्यक्रम के दौरान नागरिकों को स्वच्छता का संकल्प दिलाते हुए कहा कि हरियाणा सरकार ने स्वच्छता के क्षेत्र में प्रदेश को अग्रणी राज्य बनाने के लिए जन आंदोलन चलाया है। इस आंदोलन में सभी की भागीदारी को सुनिश्चित करते हुए ही स्वच्छता के लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

इस अवसर पर उन्होंने नागरिकों को पौध तथा नगर निगम द्वारा एकत्रित कचरे से बनाई गई खाद भी वितरित की। उन्होंने वार्ड 14 में एमआरएफ सेंटर का भी निरीक्षण किया। उन्होंने गीले कचरे से खाद बनाने की पूरी प्रक्रिया की भी जानकारी ली, साथ ही स्वच्छता ग्राहियों से भी विभिन्न विषयों पर चर्चा की। इससे पूर्व वाइस चेयरमैन सुभाष चंद्र ने स्थानीय लघु सचिवालय परिसर में हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान 2025 के तहत संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक ली और उनसे 17 सितंबर से 2 अक्टूबर के मध्य चलाए गए सेवा पखवाड़े के दौरान की गई गतिविधियों की भी जानकारी ली।

नगर निगम द्वारा जिले में की जा रही गतिविधियों के संदर्भ में एक प्रेजेंटेशन भी दी गई। जिसमें बताया गया कि शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के लिए विभिन्न स्तरों पर सघन सफाई अभियान चलाए जा रहे हैं। इसमें बाजार क्षेत्र में 35 सघन सफाई अभियान संचालित कर 350 कूड़ेदान लगाए गए। साथ ही स्वच्छता नियमों की अनदेखी करने वालों के विरुद्ध 124 चालान जारी कर 29 हजार 700 रुपये का जुर्माना वसूला गया।

नगर निगम द्वारा 85 सार्वजनिक शौचालयों का सर्वे किया गया, जिनमें से 17 की मरम्मत की गई। वर्तमान में 85 सार्वजनिक शौचालयों की नियमित सफाई सुनिश्चित की जा रही है। बेसहारा पशुओं से निजात दिलाने के लिए हॉटस्पॉट क्षेत्रों की पहचान कर तीन विशेष टीमें गठित की गई हैं, जिनमें कुल 50 सदस्य कार्यरत हैं। अभियान के दौरान हाल ही में लगभग 1 हजार 750 पशुओं को पकड़कर सुरक्षित रूप से गौशालाओं और नंदिशालाओं में भेजा गया। उल्लेखनीय है कि किसी भी पकड़े गए पशु को दोबारा सड़कों पर नहीं छोड़ा गया है।

इसी प्रकार सफाई मित्र सम्मान अभियान के तहत 38 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर 986 सफाई मित्रों को प्रशिक्षित किया गया तथा 5 स्वास्थ्य जांच शिविरों में सफाई कर्मियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिसमें 850 पीपीई जैकेट वितरित की गईं। निगम द्वारा 16.5 किलोमीटर लंबाई की 36 सडक़ों की मरम्मत की गई तथा 6 किलोमीटर लंबाई की 26 ड्रेन की भी मरम्मत की गई। इसके अलावा 1300 स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत कर शहर की रोशनी व्यवस्था को बेहतर बनाया गया। शहर की साफ-सफाई और सुंदरता पर विशेष ध्यान देते हुए 499 जीवीपीएस/सीटीयू एवं खाली प्लॉटों की सफाई की गई तथा 33 जीवीपीएस को सुंदर बनाया गया। इस अभियान के दौरान 392 मीट्रिक टन कचरा एकत्र किया गया।

इसी प्रकार सफाई कार्य को और प्रभावी बनाने के लिए 200 सफाई मित्रों की नियुक्ति की गई, वहीं 30 एसएसआई अधिकारियों को जीरो वेस्ट वार्ड पहल के तहत जागरूकता और निगरानी के लिए नियुक्त किया गया। इसके साथ ही 53 स्थानों से 41 मीट्रिक टन सीएंडडी (निर्माण और विध्वंस) अपशिष्ट हटाए गए। इस अभियान के चलते शहर के सार्वजनिक स्थलों की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला और स्वच्छता के प्रति नागरिकों में नई जागरूकता पैदा हुई।

इसी प्रकार जन सहभागिता को प्रोत्साहित करने के लिए 13 स्कूलों में जागरूकता एवं प्रेरणा कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें 1105 छात्रों ने भाग लिया। रेलवे स्टेशन एवं सार्वजनिक स्थलों पर 28 विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें नुक्कड़ नाटक, क्षमता निर्माण एवं प्रशिक्षण शामिल रहे।

हरित एवं स्वच्छ हरियाणा अभियान के तहत 241 वृक्षारोपण अभियानों में कुल 1777 पेड़ लगाए गए। नगर निगम द्वारा

पार्कों में 32 कूड़ेदान लगाए गए तथा 25 ओपन जिमों की मरम्मत कर उन्हें पुनः उपयोग के योग्य बनाया गया। साथ ही 7 वेस्ट टू वंडर स्थलों की पहचान की गई तथा 25 ड्रेन प्वाइंट साफ किए गए।

बैठक के दौरान उपायुक्त अनीश यादव, अतिरिक्त उपायुक्त सी जयाश्रद्धा, नगर निगम आयुक्त नीरज, जिलाध्यक्ष आशा खेदड़, हिसार एसडीएम ज्योति मित्तल, बरवाला एसडीएम डॉ वेदप्रकाश बेनीवाल, एचसीएस हरबीर सिंह, नगराधीश हरिराम, एएमसी डॉ प्रदीप हुड्डा, पार्षद राजेंद्र बिडलान, पार्षद डॉ सुमन यादव, ताराचंद, सुभाष दींघड़ा व डीआईओ दीपक भारद्वाज सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित थे।

27 व 28 अक्टूबर को होगा जिला युवा महोत्सव का आयोजन

डेमोक्रेटिक फ्रंट हिसार/पवन सैनी. युवा प्रतिभाओं को मंच देने के उद्देश्य से युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता विभाग हरियाणा द्वारा जिले में जिला युवा महोत्सव-2025 का आयोजन 27 व 28 अक्टूबर को किया जाएगा। इस महोत्सव में विश्वविद्यालय, कॉलेज, आईटीआई, पॉलिटेक्निक एवं स्कूलों के विद्यार्थी भाग ले सकते है। सभी प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले प्रतिभागियों का माई भारत पोर्टल पर 24 अक्टूबर तक पंजीकरण करने उपरांत फार्म की हार्ड कॉपी रजिस्ट्रेशन के साथ दसवीं मार्कशीट, आधार कार्ड, फैमिली आईडी और बैंक डिटेल की कॉपी लगाना अनिवार्य होगा। अन्य जिलों के विद्यार्थी जो हिसार में अध्ययनरत हैं, वे अपने संस्थान का आईडी कार्ड साथ में संलग्न करके संबंधित खंड की आईटीआई में जमा करवानी होगी। यह जानकारी एसडीएम ज्योति मित्तल ने शुक्रवार को जिला युवा महोत्सव की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक में संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए दी। उन्होंने महोत्सव को सफल बनाने के लिए एक कमेटी का गठन किया। उन्होंने कमेटी सदस्यों को सभी आवश्यक प्रबंध करने के साथ-साथ युवाओं की ज्यादा से ज्यादा भागीदारी सुनिश्चित करवाने के निर्देश दिए। एसडीएम ने कहा कि इस महोत्सव में 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के प्रतिभागी भाग ले सकते हैं। प्रतिभागी का जिला हिसार का निवासी होना आवश्यक है, या वह हिसार जिले में स्थित किसी भी स्कूल, कॉलेज या विश्वविद्यालय का नियमित छात्र होना चाहिए।

उन्होंने बताया कि जिला युवा महोत्सव में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी, जिसमें समूह लोक नृत्य, समूह लोक गीत, कहानी लेखन, भाषण प्रतियोगिता, कविता लेखन, लोक वाद्य यंत्र एकल तथा समूह प्रतियोगिताएं होंगी। वहीं राज्य की लोक कला एवं लोक नृत्य की प्रस्तुतियों के साथ विज्ञान मेला का भी आयोजन किया जाएगा।

एक प्रतिभागी केवल एक ही प्रतियोगिता में भाग ले सकता है। जिला स्तरीय युवा महोत्सव में 1100 से 31 हजार रुपये तक के नकद पुरस्कार भी दिए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागी राज्य स्तरीय युवा महोत्सव के लिए प्रतिभागिता कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि महोत्सव में प्रस्तुत किए जाने वाले कार्यक्रमों में अभद्र गीतों का प्रयोग नहीं होना चाहिए।

बैठक में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की प्रधानाचार्य प्रेम किरण, नेहरू युवा केंद्र से जिला युवा अधिकारी कोमल, शिक्षा विभाग से उपअधीक्षक रमेश कुमार, ब्लॉक लेवल यूथ कोऑर्डिनेटर ललित, राजकीय बहुतकनीकी संस्थान से वाइस प्रिंसिपल परितोष पराशर, राजकीय महाविद्यालय से सहायक प्रोफेसर प्रवीण कुमार एवं कमेटी सदस्य उपस्थित रहे।

अग्रोहा धाम में करोड़ों रुपए की लागत से अप्पू घर का विस्तार किया जा रहा है : बजरंग गर्ग

डेमोक्रेटिक फ्रंट हिसार/पवन सैनी. वैश्य समाज उकलाना द्वारा सामाजिक व धार्मिक कार्यों में अच्छा कार्य करने पर अग्रोहा धाम वैश्य समाज के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष व हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। अग्रोहा धाम के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने उपस्थित प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि अग्रोहा धाम में महाराजा अग्रसेन जी के नाम पर करोड़ों रुपए की लागत से दो म्यूजियम बनाएं गए हैं। अग्रोहा धाम में भव्य ऑडिटोरियम मनाया जा रहा है। बजरंग गर्ग ने कहा कि अग्रोहा धाम में जरूरतमंद युवक-युवती की शादी के लिए बैंक्विट हॉल बनाया गया है। अग्रोहा धाम में जरूरतमंद कोई भी अग्रवाल युवक-युवती की शादी करना चाहे तो शादी की सारी व्यवस्था व साथ में 1.5 लाख रुपए का सामान दिया जाता है ताकि कोई भी जरूरतमंद परिवार यह ना सोचे कि मेरा बेटा या बेटी बड़ी हो गई है, उसकी शादी में दिक्कत आएगी। अग्रोहा धाम की तरफ से युवक-युवती के परिवार वालों के लिए ठहरने, खाने, बैंड-बाजे, फेरे आदि की व्यवस्था सब निशुल्क की गई है। बजरंग गर्ग ने कहा कि अग्रोहा धाम में करोड़ों रुपए की लागत से अप्पू घर का विस्तार किया जा रहा है। जिसमें कई नए झूले लगाए जाएंगे और अग्रोहा धाम में दर्शन व घूमने के लिए कार पार्किंग से ट्रेन चलाई जाएगी।

केंद्रीय कारागार-2 में महिला बंदियों ने करवा चौथ पर रंगोली प्रतियोगिता में दिखाया हुनर

डेमोक्रेटिक फ्रंट हिसार/पवन सैनी. संपूर्ण भारत में महिलाओं द्वारा मनाए जा रहे करवा चौथ पर्व के अवसर पर शुक्रवार को केंद्रीय कारागार-2 हिसार में महिला बंदियों द्वारा रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में महिला बंदियों ने बढ़-चढकर भाग लिया और अपनी कला का सुंदर प्रदर्शन किया। यह जानकारी देते हुए जेल अधीक्षक रमेश कुमार ने बताया कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं से महिला बंदियों में आत्मविश्वास और सृजनात्मकता का विकास होता है। रंगोली जैसी गतिविधियां महिला बंदियों के मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने में सहायक हैं और इससे उनका मनोबल बढ़ता है। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य बंदियों को इस तरह के प्रशिक्षण देकर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोडऩा और रिहा होने के बाद आत्मनिर्भर जीवन के लिए प्रेरित करना है। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (महिला) से प्रशिक्षक गीता देवी व अंजु रानी के मार्गदर्शन में रंगोली प्रतियोगिता आयोजित हुई। निर्णायक मंडल द्वारा बंदियों को बनाई गई रंगोलियों का मूल्यांकन कर उत्कृष्ट प्रतिभागियों का चयन किया गया, जिसमें प्रथम स्थान महिला बंदी रोशनी देवी, द्वितीय स्थान कविता देवी तथा तृतीय स्थान सिमी देवी ने प्राप्त किया। कार्यक्रम में जेल अधीक्षक रमेश कुमार, जेल उप अधीक्षक शिव कुमार, प्रशिक्षक गीता देवी व अंजु रानी ने विजेता महिला बंदियों को उपहार एवं फल वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का समापन अवसर पर सभी महिला बंदियों ने एक-दूसरे को करवा चौथ की शुभकामनाएं दीं।

यूनाइटेड सिख्स बाढ़ प्रभावित गुरदासपुर के सीमावर्ती क्षेत्रों में निभा रहा है लगातर सेवाएं

डेमोक्रेटिक फ्रंट अमृतसर. यूनाइटेड सिख्स संगठन ने गुरदासपुर जि़ले के सीमावर्ती क्षेत्रों में आई बाढ़ से प्रभावित लोगों की सहायता के लिए अपने राहत कार्यों को और तेज़ कर दिया है। धुस्सी बांध में आई दरार के कारण गांव जैनपुर और ठाकुरपुर के कई क्षेत्र अब भी संकट का सामना कर रहे हैं।

राहत कार्यों को गति देने के लिए संगठन ने 1 लाख रुपए मूल्य का डीज़ल उपलब्ध कराया है, जिससे ट्रैक्टर और ट्रॉलियां चौबीसों घंटे बांध की मरम्मत और रोकथाम के कार्य में जुटी है। इस पूरे अभियान की निगरानी यूनाइटेड सिख्स के निदेशक एम. जे. सिंह स्वयं कर रहे हैं, जो बेंगलुरु से विशेष रूप से राहत कार्यों का जायज़ा लेने गुरदासपुर पहुंचे है।

बांध को मजबूत करने और बाढ़ के पानी को रोकने के लिए संगठन ने दो टिपर और दस ट्रैक्टर ट्रॉलियां तैनात की है, ताकि मरम्मत कार्य तेज़ी से पूरा हो सके। स्थानीय किसानों और पशुपालकों की मदद के लिए यूनाइटेड सिख्स ने 7.5 लाख रुपए (लगभग 9,000 अमेरिकी डॉलर) मूल्य का पशु चारा भी प्रभावित गांवों में वितरित किया है। इसके अलावा, खाद्य सामग्री, स्वच्छता उत्पाद और अन्य आवश्यक चीजें

प्रतिदिन बाढ़ पीड़ित परिवारों तक पहुंचाई जा रही है। यूनाइटेड सिख्स के सचिव देविंदर सिंह ने कहा कि हम पंजाब के लोगों के साथ इस संकट की घड़ी में पूरी मजबूती से खड़े है। हमारी टीमें चौबीसों घंटे राहत कार्य में जुटी है और हम स्थानीय प्रशासन व संबंधित अधिकारियों को प्रतिदिन अपडेट देते रहेंगे। यूनाइटेड सिख्स एक संयुक्त राष्ट्र से संबद्ध अंतरराष्ट्रीय गैर-लाभकारी संगठन है, जो मानवीय राहत कार्यों, नागरिक अधिकारों की वकालत और सामुदायिक सशक्तिकरण के लिए समर्पित है। 'सेवा' (निस्वार्थ सेवा) के सिख सिद्धांत से प्रेरित होकर यह संगठन दुनिया भर में वंचित समुदायों के लिए राहत, न्याय और समानता की दिशा में कार्य करता है।

संगठन मानव गरिमा की रक्षा, धार्मिक स्वतंत्रता को बढ़ावा देने और सामाजिक समानता स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।